③ प्रगति

Page No:
Date / /

प्रगति — प्रगति शब्द के बारे में कोई एक मत नहीं है क्योंकि प्रत्येक काल देश और व्यक्ति के लिए इस शब्द का अलग-अलग अर्थ हो सकता है उदाहरण के लिए — उन्नत देशों में प्रगति का मापदण्ड भौतिक उन्नति है प्रगति सा० परिवर्तन का एक विशेष ढंग या प्रक्रिया है जिसमें वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संचेत प्रयत्न किये जाते हैं प्रगति के बारे में ऑगस्त कॉम्ट से लेकर आधुनिक समाजशास्त्रियों ने अपने भिन्न-भिन्न मत व्यक्त किये हैं किन्तु इसको कोई एक सर्वमान्य धारणा नहीं दी जा सकी है

सा० प्रगति का अर्थ एवं परिभाषाएँ

प्रगति शब्द अंग्रेजी के Progress शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है यह शब्द लेटिन भाषा के Progredior से बना है जिसका अर्थ है 'आगे बढ़ना' इस प्रकार प्रगति का साधारण अर्थ किसी इच्छित अथवा वांछित लक्ष्य की ओर बढ़ना है परन्तु समाजों के लक्ष्यों में समानता नहीं होती अतः साधारण तौर पर यह कहा जा सकता है कि समाज में कल्याणकारी परिवर्तनों को ही सा० प्रगति कहते हैं।

① लेस्टर वार्ड के अनुसार — "प्रगति वह है जो मानवीय सुख की वृद्धि करते हैं।"

② लम्ले के अनुसार — "प्रगति एक परिवर्तन है लेकिन वह इच्छित दिशा में होने वाला परिवर्तन है किसी भी दिशा में होने वाला परिवर्तन नहीं है।"

③ ऑगबर्न तथा निमकॉफ के अनुसार

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Page No:

Date / /

प्रगति का अर्थ होता है अच्छाई के लिए परिवर्तन और इसीलिए प्रगति में मूल्य निर्धारण होता है।

✪ प्रगति की विशेषताएं → (1) परिवर्तन को।

(2) सामूहिक उन्नति।
(3) सचेत प्रयत्न।
(4) वांछित लक्ष्य।
(5) प्रगति में लाभ अधिक एवं हानि कम होती है।
(6) प्रगति का सम्बन्ध केवल मनुष्यों से है।
(7) प्रगति की धारणा परिवर्तनशील है।
(8) प्रगति मूल्यों पर आधारित है।

✪ सा॰ प्रगति में सहायक दशाएं एवं परिस्थितियां

(1) शिक्षा का उच्च स्तर।
(2) प्रौद्योगिकी एवं वैज्ञानिक प्रगति।
(3) नवीन आविष्कार।
(4) आदर्श जनसंख्या और स्वास्थ्य।
(5) अनुकूल भौगोलिक पर्यावरण।
(6) स्वतंत्रता एवं समानता।
(7) सा॰ सुरक्षा।
(8) कार्य भी विश्वास।
(9) न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति।

✪ सा॰ प्रगति के प्रकार —

(1) नवनीकृत प्रगति।
(2) व्यवहारगत प्रगति।

✪ उद्विकास एवं सा॰ प्रगति में अन्तर

(1) मैकाइवर तथा पेज के अनुसार उद्विकास एक बहुत कम वैज्ञानिक धारणा है क्योंकि यह अनेक जीवशास्त्रीय नियमों पर आधारित है जबकि प्रगति केवल एक नैतिक अवधारणा है क्योंकि यह तो केवल सा॰ मूल्य एवं आदर्शों पर आधारित है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Date

(2) उद्विकास की प्रक्रिया सीनिश्चित है और प्रत्येक देश व काल में एकसा स्वरूप होता है जबकि प्रगति की धारणा परिवर्तनशील है क्योंकि प्रत्येक युग तथा प्रत्येक समाज में अलग २ होती है।

(3) उद्विकास की प्रक्रिया अपने आप होती है क्योंकि प्रगति के लिए समाज के सदस्यों को सचेत रूप से प्रयत्न करने पड़ते हैं।

(4) उद्विकास में प्राणी की इच्छा का कोई प्रश्न नहीं उठता जबकि प्रगति वांछित व स्थापित उद्देश्य के अनुरूप होती है।

(5) आगबर्न तथा निमकॉफ के अनुसार उद्विकास केवल एक निश्चित दिशा में परिवर्तन है जबकि प्रगति का अर्थ है अच्छाई के लिए परिवर्तन।

(6) उद्विकास का तात्पर्य किसी प्रकार की वृद्धि से है जबकि सा० प्रगति का तात्पर्य समाज के गुणों की वृद्धि से है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner